-रजिस्टर नं 0 एस 0-33/एस 0 एम 0/13-14/95.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 8 मई, 1995/18 वैशाख, 1917

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विमाग

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 18 अप्रैल, 1995

संख्या पी०सी०एच०-एच० ए० (4) 8/94. — हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज प्रधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का 4) की धारा 2(46) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न अनुसूची के कीष्ठ संख्या 3 में अंकित जिला ांगड़ा के राजस्व ग्रामों के उन भागों को, जो अनुसूची-1 के कीष्ठ संख्या 6 में शंकित हैं, उपरोक्त अधिनियम की धारा 3 व 4 के प्रयोजन के लिए अनुसूची क कोष्ठ संख्या 5 में शंकित नाम से ग्राम घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं और यथा अपेक्षित सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों की जानकारी एवं सार्वजनिक आक्षेप श्रामन्तित करने के लिए श्रमाधारण, राजपल हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करने एवं उपायुक्त, कांगड़ा को उक्व बारे सुझावों एवं श्राक्षेपों को प्राप्त करने तथा उन पर विचार करने के लिए प्राधिकृत करने वे सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

यदि निम्न अनुसूची-1 के कोष्ठ संख्या 6 में विशित भाग के लिए कोष्ठ संख्या 5 में दिये गये नाम से ग्राम घोषित किये जाने के सम्बन्ध में, सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों को कोई आपित या सुझाव प्रस्तुन करना हो तो वह अपने श्राक्षेप या सुझाव इस अधिसूचना के प्रकाशन की विनांक से 15 दिनों की श्रवधि के भीतर उपायुक्त, कांगड़ा को प्रस्तुत कर सकेंगा ।

राज्य सरकार, जिला मांगडा के राजस्य ग्रामों को विभाजित करके छनके लिए निम्न श्रनसची के विवरण प्रनसार ग्राम घोषित करने के सम्बन्ध में श्रन्तिम श्रधिय बना, उपायका कांग्या की भिफारिश के दिह्ट-गा जारी करंगी।

| 羽() | विकास खण्ड/ | राजस्व ग्राम | कोष्ठ सं 0 3 | कोष्ठ सं 0 3, 4 | कोष्ठ सं 0 5 में वर्णित |
|-----|--------------|----------------|------------------|----------------------|-------------------------|
| ₩ O | ग्राम सभा का | जिसको नई | में वर्णित ग्राम | में वर्णित ग्राम/ | गांव के खमरा नम्बरान |
| | नाम | ग्राम सभा में | के कुल सामरा | क्षेत्र के विभाजन पर | |
| | | सम्मिलत | नं 0 | इस घोषणा श्रावेश | |
| | | करने हेसु | | द्वारा रखे गये नाम | |
| | | विभागित | | | |
| | | किया जाना | | | |
| | | प्रस्तावित है, | | | |
| | | का नाम | | | |
| | | | | | |

1. घाड्-1

1. भाड

1. घाड--ख

1146 ar 1169

2. घाड-क

कोष्ठ सं 0 3 में वर्णित ग्राम के कल खसरा नम्बरों में से खसरा नं0 1146 ता 1169 को छोड़कर शेष खसरा नम्बर।

क्योंकि विभाग में, जिला कांगड़ा के निम्नलिखित ग्राम सभा क्षेत्रों के विभाजन एवं पुनर्गकन हैत प्रस्तावनायें विचाराधीन हैं।

म्रत: हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज श्रिधिनियम, 1994 (बर्ष 1994 वा 4) की धारा 3 (1) व (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला कांगड़ा के ग्राम सभा क्षेत्रों जिन का विवरण निम्न अनस्वी-11 में दिया गया है, को विभाजित/पुनर्गेठित करने एवं नई ग्राम सभाग्रों के गठन करने का प्रस्ताव करते हैं और यथा अपेक्षित सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों की जानकारी एवं सावैजनिक द्याक्षेत्र आमन्त्रित करने के लिए असाधारण राजधल, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करने एवं स्थानुन्त, कांगड़ा की उनत बारे सझाबों एवं प्राक्षेपों को प्राप्त करने तथा उन पर विचार करने के लिए, प्राधिकृत करने के प्रादेश प्रदान करते हैं।

यदि निम्न अनुमुची-।। में वर्णित ग्रांम सभाभों के विभाजम/पूनर्गठन के सम्बन्ध में; सम्बन्धित ग्रांम सभा सदस्यों को कोई ग्रापत्ति या सुझाव प्रस्तुत करना हो तो वह अपने ग्राक्षेप या सुझाव इस ग्रधिमुचना की प्रमाशन की दिनांक में 15 दिनों की श्रविध के भीतर उपायक्त, कांगड़ा को प्रस्तुत कर सकीगा।

राज्य सरकार, जिला कुल्लु के ग्राम सभा क्षेत्रों (जिनका विवरण निम्न अनुसूची में दिया गथा है) के विभाजन/पून्गठन के सम्बन्ध में अस्तिम अधिमाचना, उपायका कांगड़ा की सिफारिश की विष्टात जारी करेंगी।

श्रनुसूची-11 कोष्ट सं 0 2 में विकास खण्ड/ श्रववित्रत ग्रामां कोध्ट मं 0 5 **季**0 कोष्ठ मं 0 2 में विवरण वर्णित ग्राम सभा सं0 वर्तमान ग्राम वर्णित ग्राम सभा से बनी ग्राम सभा में बणित ग्राम के वर्तमान गावों सभा का नाम से अपविजित होने सभा में सम्म-का नाम व उमका तथा प्रनुसूची-। वाले प्रामीं के लित होने बाले म स्यमा स श्रन्तर्गन ग्रामों के नाम नाम घोषित ग्रामों के नाम 1 2 3 4 5 6 7 विकास खण्ड नगरोटा स्रिया : 1. 1. 新塔 税 4 1. वाड 1. थाइ-क 1. ঘার্-দ্ম में वणिल ग्रामां 2. घाड-ख 2. भियाल 3. भियाल को वर्तमान ग्राम मभा !'घाड-1" से ग्रपविजित कर के वनंमान ग्राम तभा !'तस्दपर् भटोली" सम्मिलित क्या गया । 2. कोष्ठ मं 0 4 में विणित ग्रामीं को छोड़ कर कोष्ट सं 0 3 का शेष ग्राम वर्तमान ग्राम सभा 'धाड-।'' में

- नम्दप्र 1. नम्दप्र भटोली।
 - भटोली।
 - 2. घावन
 - 3. श्रमीरपर

तथा भियाल को ग्राम सभा "घाइ-।" हे अपवजित करके वर्तमान ग्राम सभा "नन्दपर

ही रहेगा।

1. ग्राम घाड-ख

| 1984 | ; | मसाधारण | राजपन्न, हिमाचल | अदश, 8 मइ, | 1995/18 पशाख, 191 | 7 |
|------|------------------|---|--|---------------------|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 . | 6 | 7 |
| | | | | | | भटोली" में सम्मिलित किया गया । |
| 3. | धार | भार गदियाड़ा सपडू कलल भाड़ियाडा धंगड़ डियू बाग बतरा | 1° धंगड़ 2. ढियू 3. बाग 4. बतरा 5. धंगड़-1 6. धंगड़-11 7. वकला | 1. धंगड़ (धंगड़) | कॉप्ट सं0 4 में । वर्णित ग्राम तथा: 1. टिल्ला 2. ठम्बा | |
| | | 10. धंगड़-1 11. धंगड़-11 12. बक्ला | , | | | 2. कोष्ठ सं 0 6 में कि त सं 0 1 व 2 पर विणत ग्रामों को तथा ग्राम समा बिलास-पुर से श्रपव- जित करके नवगठित ग्राम |
| A | faan n ov | 1. बिलासपुर | 1. टिल्ला | | | सभा "धंगड़" में सम्मिलित किशा गया । 1. कोष्ठ सं 0 4 |
| | resulting C | 2. भटेड् 3. इस्लेट्ड 4. जलख 5. जंगल मसरूर जैनी । 6. टिल्ला 7. ठाखा | 2. ठम्बा | | | 1. काष्ठ से 0 4 में वणित प्रामों की प्राम सभा "बिलासपुर" से अपवर्जित करके नवग- ठित प्राम सभा "धंगड़" में सम्मिलित किया गया। 2. कोष्ठ सं 0 4 में वणित प्रामों को छोड़कर कोष्ठ सं 0 3 के थे। प्राम वर्तमान प्राम सभा "बिलास- पुर" में ही रहेंगे। |

शिमला-2, 18 ग्रप्रैल, 1995

- ैं। संख्या पी 0 सी 0 एच 0-एच 0 ए 0 (4) 12/94. —क्योंकि विभाग में, जिला चम्बा के निम्नलिखित ग्राम सभा। क्षेत्रों के विभाजन एवं पूनर्गटन हुतु प्रस्तावनायें विचाराधीन हैं।
- श्रता हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल. हिमाचल प्रवेश पंचायती राज श्रधितियम. 1994 (वर्ष 1994 का 4) की धारा 3(1) व (2) द्वारा प्रदेश शिक्षियों जा प्रयोग करते हुए, जिला चम्बा के ग्राम सभा क्षेत्रों, जिसका विषरण निम्न अनुसूची में दिया गया है, को विभाजित/पुनर्गठित करने एवं नई ग्राम सभाओं के कठन करने का प्रमाय करत हैं और यथा श्रपेक्षित सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों की जानकारी एवं सार्वजिनिक श्राक्षेत्र श्रामन्त्रित करने के लिए श्रमाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रविचार करने एवं उपायुक्त, जिला चम्बा को उक्त बारे सुझाबों एवं श्राक्षेपों की प्राप्त करने तथा छन पर विचार करने के लिए प्राधिकृत करने के श्रादेश श्रदान करते हैं।

यदि निम्न श्रनुसूची में विणित ग्राम सभाश्रों के विभाजन/पुनर्गठन के सम्बन्ध में, सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों को कोई ग्रापत्ति या सुझाब प्रस्तुत करना हो तो वह ग्रपने श्राक्षेप या सुझाब इस ग्रधिसूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिनों की श्रवधि के भीतर उपायुक्त, जिला चम्बा को प्रस्तुत कर सकेगा।

ে হাত্য सरकार, जिला चम्बा के ग्राम सभा क्षेत्रों (जिनका विवरण निम्न श्रनुमुची में दिया गया है) के विभाजन/पुनर्गठन के सम्बन्ध में ग्रान्तिम क्रश्चिसूचना, उपायुक्त जिला चम्बा की सिफारिश के दृष्टिगत जारी करेगी।

ग्रनुसूची

| ऋ 0 ८ संख्या | वर्तमान ग्राम सभा का नःम/ मुख्यवास का नःम | कोष्ट सं 0 2 में वर्णित ग्राम सभा के ग्रामों का नाम | कोट्ड सं 0 2 में बणित ग्राम सभा से भ्रावजित होने वाले ग्रामों के नाम | श्राविति ग्रामों से बनी ग्राम सभा का नान तथा उसका मुख्यवास | कोष्ठ सं0 5 में वर्णित ग्राम सभा में सम्मिलित होने वाले ग्रामों के नाम | विवरण | |
|-----------------------|---|---|--|--|---|-------|--|
| A | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |

विकास खण्ड भटियात :

| 1. | चूहन | 1. चूहन 2. गढ़ 3. इंवाड़ 4. निहणं 5. कपेई 6. समलेड 7. कण्डेई | 1. समलेक 2. वण्डेई | 1. समलेउ (ममलेउ)। | कोष्ठनं 4 में विणितः ग्रामः। | कोष्ठ सं 0 4 में बर्णित ग्रामों कों छोड़ कर कोष्ठ सं 0 3 के गेष ग्राम बर्तमान ग्राम सभा ''चूहन'' में ही रहेंगे। |
|----|------|--|---------------------------------|----------------------|------------------------------------|--|
| 2. | खनोट | 1. समोट | सुक्षड़ा 2. | | . सुरगड़ा | कोष्ठ संख्या 4 में |

2. खनोट 1. समोट 1. सुक्पड़ा 2. सुरपड़ा 1. सुरपड़ा कोण्ड संख्या 4 र २ 2. जसूर (तला)। 2. गुमराहर विणित ग्राम को छोड़ के 3. कुई कोण्ड संदेश 3 के शि

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|----------|----------|--|---------|-------------------|----------------------|---|
| 7-1 | | 4. श्रामाङ 5. सुरपड़ा | | | Carrier with gar | ग्राम वर्तमान ग्राम सभ। "समोट" में ही रहेंगे। 2. कोष्ठ संख्या 6 में कम संख्या 1 पर विणत ग्राम सभा "परिस्थारा" ते तथा क्र0 सं0 2 पर विणत ग्राम को ग्राम सभा "टिकरी" से अपविजित करके नवगठित ग्राम सभा "सुरपड़ा" में सम्मिलित किया गया। |
| 3, | परसियारा | परिस्वारा रूपेणा गुमराहर | गुमराहर | | - | 1. कोष्ठ संख्या 4 में विणित ग्राम को ग्राम सभा ''परिस- यारा''से श्रवजित करके नव- गठित ग्राम सभा ''स्रपड़ा'' में सिम्मिलित किया गया। 2. कोष्ठ सं 0 4 में विणित ग्राम को छोडकर कोष्ठ सं 0 3 के शेष ग्राम वर्त- मान ग्राम सभा ''पर- सियारा'' में ही रहेंगे। |
| 4. | टिकरी | टिकरी कथयाड़ी कुमहारका कुई | 1. कुई | | | कोष्ठ संख्वा 4 में विणित ग्राम को ग्राम सभा "टिकरी" से श्रवविजत करके नवगठित ग्राम सभा "सुरपड़ा" में सम्मिलित किया गथा । कोष्ठ सं० 4 में विणित ग्राम को छोड़कर कोष्ठ संख्या 3 के शेष ग्राम |
| emp. Tes | : | a Commence and a second se | शिमला-2 | 18 श्रप्रैल; 1995 | e a a recommence que | थर्तमान ग्राम सभा ''टिकरी'' में हो रहेंगे। |

संख्या पी0 सी0 एव 0-एव0 ए0 (4) 4/94.-- न्यों कि विभाग में, जिला सोलन के निम्नलिखित ग्राम सभा क्षेत्रों ने विभाजन एवं पुनर्गठन हेतु प्रस्तावनायें विवाराधीन है।

श्रतः हिमाचल प्रदेश के राज्याल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अविनियम, 1994 (वर्ष 1994 का 4) वी धारा 3 (1) व (2) द्वारा प्रदेश लिनियों का प्रयोग करते हुए, जिला सोलन के ग्राम सभा क्षेत्रों जिल्हा विवक्ता निमा अनुमूची में दिया गरा है, ती विमानियां पुनर्गेटित गरने एवं तुई थीम सभामों के गर्डन

करने का प्रस्ताव करते हैं और मधा ध्रपेक्षित सम्बन्धित ग्राम मभा सबस्यों की जान गरी एवं सार्वजितिक ग्राक्षेप श्रामिन्तित करने के लिए ध्रसाधारण राजपल, हिमायल प्रदेश में प्रकाशित करने एवं उपायुक्त, जिला मोलन को उक्त सारे सुझावों एवं श्राक्षेपों की प्राप्त करने नया उन पर विचार करने के लिए प्राधिकृत करने के ग्रादेश प्रदान बोरते हैं।

यदि निम्न ध्रनुसूची में विणित ग्राम सभाश्रों के विभाजन/पुर्नगठन के सम्बन्ध में, सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों की कोई श्रापादन या सुझाव प्रस्तुत करना हो तो बह अपने श्राक्षी या सुझाव इस श्रिधसूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिनों की अवधि के भीतर छपायुक्त जिता सोलन की प्रस्तुत कर सबीगा ;

राज्य सरकार, जिला सोलन के ग्राम सभा क्षेत्रों (जिनका विवरण निम्न ग्रमुन्ची में विधा गया है) के विभाजन/पुनर्गठन के सम्बन्ध में ग्रन्तिम ग्रधिमूचना, उपायुक्त जिला सोलन की सिकारिण के दृष्टिगत, जारी करेगी।

‼अनुसू**ची**"

| | सभाकानाम/ | में विगित ग्राम | वर्णित ग्राम सभा | श्रपवजित ग्रामों मे बनी ग्राम सभा का नाम तथा उसका मुख्यवास | में वणित ग्राम | विवरण |
|---|-----------|-----------------|------------------|---|----------------|-------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| | | | | | | |

| 1. | बिकास ख ⁰ ड | नालागढ़: | | |
|----|------------------------|---|-----------------------|--|
| 1. | बाबला (वायला) । | 1. कोट 2. वायला 3. कटलू 4. विस्ती- चमरा। 5. दौलसरा 6. वेयडविस्सी 7. जावल 8. तौगड़ी 9. काननी 10. छिषाछी 11. पौन्डी 12. भामला | पार्छा)। ऋ०सं० 1 से 6 | कोष्ठ सं 0 4 में विणित प्रामों को छोड़ कर कोष्ठ सं 0 3 के शेष प्राम वर्त- मान प्राम तभा ''वायला'' में ही रहेंगे तथा प्राम (त्यामु- वारला) (रौखान) व (लोदीवाला) को प्राम सभा ''मबूली'' से प्रप- विज्ञत करके वर्तमान प्राम सभा ''वायला'' में सिक्मिलित किया गया। |

14. राजपरा

 कोष्ठ तं 0 6 के कम सं 0 7 व 8 में विणित ग्राम वर्तमान ग्राम सभा ''दिगल'' से

दिग । 1. मिगन 1. भगनी 3. 2. बड्मम 2. कामल 3. श्रीना

4. गगाएड

इ. मलकामा

पीगागी 7. गमें इ

नवगंडित शाम सभा "शिमानी" मामिल किए गा

पारशाणा u. चनालीग्रार 10. मानणी

थे. नोक्ड संख्या 4 में विभिन्न गामा

3 मो जोष ग्राम वर्तमान ग्राग ा "महली" मं ही रहेगे।

।, कोष्छ मंत्रत ४ में

वणित प्राम वर्गमान

ग्राम सभा "विश्वनं"

के अपविभिन्न करके

11. जाव

रहेंगे।

| 1 2 |] الناكارات ومناهد كما المناطقة | 4 | | 0 | 7 #################################### |
|--------------------|---|--------------|------------|---------------------------------------|---|
| | 12. मधीन | | | 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 | कोहकर भौष्ठ मं। |
| , 1 | 13, मोपनी | | | | ा गी गोग ग्राम वर्ग- |
| . | 14, भनमी | | | | मान याम मना |
| | । छ. भड़मना | | | | "निगन" में ही रहेंगे। |
| 4. वधीक्ष ी | ।, त्रमीकरी | ।, हथाींका | سننس | -4.24 | । कॉफ्टमं। ४ म |
| | 2) खेडा | थे, नगार्घाट | | | काम में।। में अ में |
| | ाः स्थाम् मारण | १ ३. काहन | | | विणित प्राप वर्नेपान |
| | 4. पत्पन | | | | प्रागममा !'वर्षावरी |
| | तः, भंगल कामन | T- | | | से अपविज्ञित कार्बी |
| | प्रमुख । | | | | नवगठित ग्राम यंगा |
| | H, नंगर स्वीर्ण | | | | !'विशाखी'' में यकिष- |
| | 7. मानान मोईर्न | 1 | | | लिन निम्म गम् है। |
| | स. चामणा | | | | |
| | घट दोईसी | | | | 2, मोक्ड मंग 4 में |
| | 10, जंगल वात्रम | rr | | | विणान गामी को |
| | ।। समनोहिनी | | | | छोड़कर कोष्ठ में।) (1 |
| | 12. समाप्ति | | | | को गीप प्राम वर्गमाम |
| | 13. महारमाड | | | | ग्राम सम्बा 'नधी अरी' |
| | । 1, काउल | | | | में ही रहेंगे। |
| थ्र, विकास खण | न्तुनित्र : | | | | |
| ा, मांगू | ।, मांग् | । , ग्याणाः | | मोध्य संग्रा 4 में | ।, कोण्डमंग अर्मे |
| | 2. चीला | 2, जात्रम | (श्वामा) । | विणिव ग्राम । | कार्म 13 में 20 |
| | 3, रौडी | 3, भेरजींग | | | पुर निणन प्रामी के |
| | 4. सोरिया | 4. समारी | | | निए इस विमाण |
| | 5, बर्धाल | | | | की समसंक्ष्य स्रीध- |
| | जंगल चग्या | ল | | | म्चमा विगीम । १ |
| | ७. सून | | | | अञ्चल, 1995 में |
| | 8. वंबीरा | | | | धन्तर्गत एक सर्ड |
| | भ , ग्राणा | | | | ग्राम ममा "मंगीई" |
| | 10. जावल | | | | में गंडा का प्रस्तान |
| P. 3.1 | 11. संग्तीरी | | | | गहले ही श्रीसम् निन |
| | 12. धमारी | | | | हां चुका है। |
| | 1 तः संघीरी | | | | الله ور معمدلی شرودتین و |
| -fi | (४) नोत्रण | | | | त्र, कोष्ठ मंग्या उमें काम मंत्र । में हपर |
| | एकौछी | | | | कागा। सहपर क्रिया ग्राम धर्ने- |
| | 10. धार बार्ली | | | | माणत प्राप स्था |
| | 17. ह्यार पारली | | | | ''गांग'' में ही |
| | A markets | | | | 10101 10 10111 |

IA. सीरा

19. मनानण 20. स्थामना

शिनला-171002, 18 अप्रैल, 1995

संख्या पी 0 ती 0 एच 0-एच 0 ए 0 (4)-6/9 4-- में रोंकि विभाग में, जिला माही के निम्नलिखत ग्राम सभा क्षेत्रों के विभाजन एवं पूर्णाठन हेत् प्रस्तावनायें विचाराधीन हैं।

ग्रतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश गंचायती राज प्रधिनियम 1994 (वर्ष 1994 वा 4) की धारा 3(1) व (2) द्वारा प्रदक्त मान्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला मण्डी के ग्राम सभा क्षेत्रों, जिनका विवरण निम्त प्रनसूची में दिया गया है, को विभाजित/पूनर्गिठत करने एवं नई ग्राम सभावों के गठम करने वह प्रस्ताव करते हैं श्रीर यथा अमेक्षित सम्बान्वत ग्राम सभा सदस्यों की जान हारी एवं सार्वजनिक श्राक्षेप धामिन्तत करने के लिए अलाधारण राज्यत, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करने एवं उपायुक्त मण्डों को उक्त बारे सुमावों एवं प्राक्षेपों को प्राप्त करने तथा उन पर विचार करने में लिए, प्राधिकृत करने में प्रादेश प्रदान करते हैं।

यदि निम्न अनुस्ता में वर्णित ग्राम संशाओं के विभाजन/पुनर्गठन के सम्बन्ध में, सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों की कोई आपहित या सुझाब प्रस्तुत करना हो तो वह अपने धार्श्वप या सुझाब इस अधिसूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिनों की अवस्थि के भीतर उपायुक्त मण्डी को प्रस्तुत कर सकेगा।

राज्य सरकार, जिला मण्डो के ग्राम सभा क्षेत्रों (जिनका निवरण निम्न भन्सूची में दिया गया है) के विभाजन/पुनर्गठन के अम्मन्य में अन्तिन प्रधिम् ना उपायुक्त, जिला मण्डी की सिकारिश के वृष्टिगत, जारी करेगी ।

श्रन्स्ची

| नाम होने ब | ग्रावर्षि । नाम तथा उपहा ाले प्रामी मुख्यवास नाम | । में सम्मिनित होने वास्ते ग्रामी के नाम | |
|------------|--|--|---|
| 1 2 / 3 | 4 5 | 6 . | 7 |

विकास खण्ड भएमोगः

| • | | | | | |
|----|--------|--|--|--|--|
| ۱. | वगगाङ् | वगणाङ् जनखुनी | गैहरन नोहारकी | 1. मैहरन कोष्ठ सं 0 4 (नाग ककणों)। में ग णित | |
| | | 3. थल्डु 4. घर मण्ड ल | ३. जुजर 4. माण्डी | ग्राम । | |
| | | | त. सम्रीकणी 6. प्राक्तिपी | · . | |
| | | | 7. गडीरी | ** | |
| | | | 8. देश्हा ०. हम्म | | |

में ही एहेंगे। 10. मुरटी

कोष्ठसं0 4 में वर्णित ग्रामों को ळोड़कर कोष्ठ सं 3 को लोच प्राम वर्तमाल याम स्था "बगमाञ

11. खंबयोल 12. चीगडा 13. शलाग

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | P _{ress} | 7 |
|-----|---|--------------------|-------------------------|-----------------------|------------------------|-------------------|---|
| (| | 14. उमोग | - Administration to the | F. Otenskins bigosper | To a ser depression in | | |
| | | 15. डी 0 पी 0 एफ 0 | | | | | |
| r - | | मण्डप । | | | | | |
| | | 17. डी १ पी १ एक १ | | | | | |
| | | घायला । | | | | | |
| | | 18. डो oपी oएफ o | | | | | |
| | | थहद् । | | | | | |
| | | 19. जी ०पी ०एफ ० | | | | | |
| | | खमाख । | | | | | |
| | | 20. मैहरन | | | | | |
| | | 21. लोहारली | | | | | |
| | | 22. जुजर | | | • | | |
| | | 23. कार्ण्डा | | | | | |

संख्या पी0 सी । एच ०-एच ० ए ० (४) 8/94 -- व्यों कि विभाग में, जिला करंगड़ा के निम्नतिखिन ग्राम सभा क्षेत्रों में विभाजन एवं पुमर्गठन हेतु प्रस्तावनाएं विनाराधीन हैं।

म्रतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज मधिनियम, 1894 (वर्ष 1994 का 4) की धारा 3(1) व (2) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला कांगड़ा के ग्राम सभा क्षेत्रों, जिलका विवरण निम्न अनुसूची में दिया गया है, को विभाजित/पूनगैठित करने एवं नई ग्राम समाक्षों के गठन करने का प्रस्ताय करत हैं और यथा अपेक्षित सम्बन्धित ग्राम सभा सबस्यों की जनगरी हवं सार्वजनिक ब्राक्षेप ग्रामिन्त्रत करने के लिए असाधारण राजपत, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करने एवं उपायुक्त, जिला कांगडा की, उना वारे सुझावों एवं श्राक्षेपीं की प्राप्त करने तथा उन पर विवार करने के लिए प्राधिकान करने के आदेश प्रदान करते हैं।

यदि निम्न अनुसूची में विणित ग्राम सभाव्यों के विमाजन/पुनर्गठन के सम्बन्ध में, सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों को कोई म्रापत्ति या सुझाव प्रस्तत करता हो तो वह अपने माक्षेप या मुझाव इन अधिमुचना के प्रकाशन की विनाक से 15

| क 0 बत | | | | | | |
|------------------|-----------|---|---|--|---|---------|
| सं 0 सभ मुख्य | ा सामा/ व | तोष्ठ सं 0 ८ में जिल ग्राम सभा ते ग्रामों के जाम | कीष्ठ सं 0 2 में वर्षित प्राम सभा से ध्वासर्जित हीने वाले ग्रामी के नाम | प्राविजन ग्रामी से बनो पान सभा का नाम तथा उपान मुख्यवास | तीष्ठ तं 0 5 में व्यणित ग्राम समा सें सम्मिलित होने वासंग्रामों केनाम | त्रिवरण |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

| | 2 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|-----------|----------------------------|-----------------|--|---|-------------------|
| | 4. समूला | 4. मदनपुर | und angusphia — B und diph bigʻi tigʻi gad sum simi ma danisam r | | छोड़ हर को |
| | 5. मनग | 5. डन्ना | | | संख्यः 🚯 |
| | 6. बनभगार | 6. ठाना | | | शेष ग्रा |
| | 7. पन्द्रेहड़ | 7. वंड | | | वर्तमान ग्रा |
| | 8. छछोली | , | | | सभा 'सदव |
| | 9. बरेट | | | | में ही रहेंगे |
| | 10. मदनपुर | | | | |
| | 11. डन्ना | | | | |
| | 12 ठाना | | | | |
| | 13. बंड | | | ÷« | |
| विकास र | वण्ड पंचरूखी । | | | | |
| दरोगणु | 1. दरीनगु | 1. थनाऊ प्रारला | 1. थनाऊ ग्रारला | कोष्ठ संख्या 4 मे | ं कोष्ठ संख |
| तः परावसु | मुरैरी | 2. थनाऊ पारला | (थलाऊ ग्रारला) | | 4 में वर्षि |
| | 3. ज्यून | 3. लुनाणी | (| ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | ग्रामों व |
| | 4. सुकेंडी | 4. मलैन्ता | | | छोड़ तर को |
| | 5. डोडम खोला | | | | संख्या 3 |
| | 6. वाह ल | 6. कथैणा | | | — शे ख ग्र |
| | 7. दरोबी | 7. सेठ्नाला | | | वर्तमान र |
| , | 8. घरेड | • • | | | सभा 'दरो |
| | 9. सरेकडी | | | • | में ही रहेंगे |
| | 10. कुन्नाट | | | | |
| | 11. द्रमण | • | | | |
| | 12. यताक आरव | रा | | | |
| | 13. थलाऊपारल | 1 | | | |
| | 14. लुलाणी | | • 6 | • | |
| | 15. मर्लन्ता | | (.*) | | 4 |
| | 16. रजनाली | | | | |
| | 17. कथैणा | | 4 | | |
| | 18. सेंटुनाला | | | | |

शिमला-171002, 24 अप्रैल, 1995

संख्या पीo भीo एचo-एचo एo(4) 6/94.--- क्योंकि विभाग में, जिना पण्डी के निम्नलिखित ग्राम सभा सेक्षों के विभाज। एवं पुनर्गठन हतु प्रस्तावनायें विचारधीन हैं।

श्रत. हिमाचल प्रदेण के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का 4) की धारा 3 (1) व (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला मण्डी के ग्राम सभा क्षेत्रों, जिन हा वित्ररण निम्न श्रनुसूची में दिया गया है, को विभाजित/पुनर्गठित करने एवं नई ग्राम सभाक्रों के गठन करने का प्रस्ताव करते है श्रीर यथा अपंक्षित सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों की जान हारी एवं सार्वजनिक श्रक्षिप श्रामन्तित करने के लिए श्रभधारण राजपन, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करने एवं उपायुक्त, जिला मण्डी को, उक्त बारे सुझावों एतं श्राक्षेपों को प्राप्त करने तथा उन पर विचार करने के लिए प्राधिकृत करने के श्रादेश प्रदान परले हैं।

यदि निम्न अनुसूची में विणित ग्राम समाग्रीं के विभाजन/ पुनर्गठन के सम्बन्ध में, सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों को कोई ग्रापीरत या सुझाव प्रस्तुन करना ही ती। वह अपने श्राक्षेप वा सुझाव इस ग्रिधिसूचना के प्रकाणन की दिनांक से 15 दिनों की ग्रवधि के भीतर उपायुक्त, जिला मण्डी का प्रस्तुन कर सकेगा।

राज्य सरकार, जिला मण्डी के ग्राम समाक्षेत्रों (जिनका विवरण निम्न श्रनुमूत्री में दिया गया है) के विभाजन/पुनर्गठन के सम्बन्ध में प्रन्तिम अधिसूत्रना, उरायुत्त, जिता मण्डी की सिफारिश के दृष्टिगत, जारी करेगी।

ग्रनुमूची

| ऋ 0 सं0 | वर्तमान ग्राम सन्ना का नाम/ मुख्यवास का नाम | कोष्ठ सं0 2 में विणित ग्राम मभा के ग्रामां के नाम | कौष्ठ सं 0 2 में वर्णित ग्राम सभा से श्रपवीजत होने वाले ग्रामों के नाम | प्रथविजित ग्रामी में येनी ग्राम सभा का नाम तथा उमका मुख्यवास | कोष्ठ सं 0 5 व विषित ग्राम सम् में सम्मिलित हो वाले ग्रामों के नाम | ग ने |
|------------|--|--|--|---|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1. f | वेकास खण्ड सद | ₹ : | ومعلوبة بسد مدينة بسد بمناسبة المناسبة | والمساوية والمساوية والمساوية والمناوية والمناوية والمناوية والمناوية والمناوية والمناوية والمناوية والمناوية | | |
| 1. | भडयाल 1 2 3 4 5 | . भ डयाल 2. चडमाल 3. रठोड्डा . मलवाणा 5. टिक्कर कलां 5. बैंहना | 1. बैहना | 1. वैहना (बैहना) । | 1. बैहना | कोष्ठ सं 0 4 में वर्णित ग्राम को छोड़कर कोष्ठ सं 0 3 के जप ग्राम वर्तमान ग्राम सभा "भड- याल" में ही रहेंगे। |
| 1. | बरच्छवाड़ 1. 2 3 4 5 | . बरच्छन।ड़ त. सुरजपुरवाड़ी 3. सैण 4. डबरोग 5. बोह 3. बकारटा 7. ठिकर 8. गध्याणी | 1. बकारटा 2. टिमरी 3. गध्याणी | 1. बकारटा (बकारटा) । | कोष्ठ मं 4 में वर्णित ग्रामः। | कोष्ठ सं 0 4 में विणत ग्रामों को छोड़ कर कोष्ठ सं 0 3 के शेष ग्राम वर्तमान ग्राम सभा ''वरच्छवाड़'' में ही रहेंगे। |
| | कोठवां | अमपुर १ 1. कोटवां 2. कन्द्रोह 3. बांह 4. लडोल 5. बैरी भप्पर 6. बैरी लोग्नर | बैरी अप्पर। बैरी लोग्रर। कालत्री | 1. वैरी (वैरी ग्रप्पर)। | कोष्ठ सं0 4 में वर्णित ग्राम । | कोष्ठ सं 0 4 में विणत प्रामों को छोड़ तर कोष्ठ सं 0 3 के शेष प्राम वर्तमान प्राम सभा 'कोठवां' में ही रहेंगे। |

म्रावेश द्वारा, हस्ताक्षरित/-सचिव ।